राज्यों की स्थिति

लेखक-एस. इरुदया राजन और यू.एस. मिश्रा
(प्रोफेसर, सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, केरल)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-III (भारतीय अर्थव्यवस्था) से संबंधित है।

द हिन्दू

12 फरवरी, 2019

"एसडीजी इंडिया इंडेक्स सतत् विकास लक्ष्यों की अंतर-निर्भरता के पहलू को नजरअंदाज करता है।"

भारत सितंबर, 2015 में सतत् विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को अपनाने वाले संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से एक था। भारत भी इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहा है। एसडीजी इंडिया इंडेक्स: बेसलाइन रिपोर्ट-2018, जिसे नीति आयोग द्वारा दिसंबर, 2018 में जनता के लिए जारी किया गया था। यह लक्ष्यों को प्राप्त करने के अपने प्रयासों में अब तक विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा किए गए प्रदर्शन का एक उपयोगी तुलनात्मक संग्रह है।

इस प्रयास में, जलवायु कार्रवाई (एसडीजी -13) सहित 17 लक्ष्यों में से तीन के लिए उपयुक्त संकेतक स्थापित करने में यह असमर्थ रहा है। जिसका कारण विभिन्न राज्यों की तुलना करने के लिए उपयुक्त संकेतकों की पहचान या अक्षमता की कमी है। कुल मिलाकर, 14 लक्ष्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले 62 संकेतकों की समय के साथ राज्यों में औसत दर्जे के आधार पर पहचान की गई है। भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की दिशा में एक प्रगति प्रदर्शन मूल्यांकन किया गया है। तुलनीयता के कारणों के लिए, इन सभी संकेतकों को सामान्यीकृत किया जाता है।

चार श्रेणियां

0 से 100 के पैमाने के आधार पर राज्यों को चार समूहों में वर्गीकृत किया जाता है: अचीवर्स, फ्रंट रनर, परफॉर्मर और एस्पिरेंट्स। अचीवर्स वे राज्य हैं, जिन्होंने पहले ही निर्धारित लक्ष्य को पूरा कर लिया है। फ्रंट रनर वे राज्य हैं, जो उन्हें साकार करने के बहुत करीब हैं। अधिकांश राज्यों को परफॉर्मर के रूप में वर्गीकृत किया गया है और कुछ एस्पिरेंट्स के रूप में पीछे हैं। मध्य बिंदु तक स्कोर वाले उन राज्यों को एस्पिरेंट्स के रूप में वर्गीकृत किया गया है और प्रगति के करीब पहुँच चुके राज्यों के एक समूह को परफॉर्मर के रूप में बांटा गया है।

कुछ राज्यों को फ्रंट रनर के रूप में नामित किया गया है। तमिलनाडु, केरल और हिमाचल प्रदेश तीन फ्रंट रनर राज्य हैं, जिनका मान 50 और 64 के बीच मान वाले राज्यों के विरुद्ध क्रमश: 66, 69 और 69 है। जहाँ राष्ट्रीय स्कोर 57 है, वहीं लगभग 17 राज्य राष्ट्रीय स्कोर से ऊपर या उसके बराबर योग्यता रखते हैं।

औसत की समस्या

इसके अलावा, कोई भी जब विभिन्न एसडीजी के प्रदर्शन पर नजर डालेगा, तो वह पाएगा कि कई राज्य एस्पिरेंट श्रेणी में आते हैं, विशेष रूप से एसडीजी -5 (लिंग समानता), एसडीजी -9 (उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा) और एसडीजी -11 (स्थायी शहर और समुदाय)। यह स्पष्ट है कि विभिन्न लक्ष्यों के बीच अंकों की भिन्नता है। उदाहरण के लिए, लक्ष्य-1 और 2 के मामले में राज्यों के बहुमत के लिए सीमा 35 और 80 के बीच है। लक्ष्य-3 और 6 के लिए सीमा 25 और 100 के बीच है। फिर से, लक्ष्य 5 के लिए यह 24 और 50 के बीच है। ये मूल्य इस मायने में निर्धारित किए जाते हैं कि वे न्यूनतम प्राप्त और लक्ष्य के बीच अंतर के उपलब्ध पैमाने के भीतर राज्यों की एकात्मक स्थिति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

तीन फ्रंट रनर स्टेट्स के बीच प्रगति का अंतर तीन अंक है। यह शायद तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के प्रदर्शनकारी राज्यों के बीच की दूरी के समान नहीं है, जिसमें तीन अंकों का अंतर है।

क्या किया जा सकता है?

अंत में, लक्ष्यों के अनुपालन का सारांश सूचकांक प्रस्तुत करने के लिए अपनायी गयी एकत्रीकरण की प्रक्रिया एक साधारण औसत है, जिसके अनुसार प्रत्येक लक्ष्य के साथ-साथ संकेतक के संबंधित सेट भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं और एक-दूसरे के प्रतिनिधि हैं। यह विभिन्न लक्ष्यों के अंतर-निर्भरता के पहलू को भी अनदेखा करता है।

विशिष्ट लक्ष्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले संकेतकों की पसंद को उपलब्धता से निर्देशित करने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि एक-दूसरे से उनकी स्पष्ट स्वतंत्रता भी है। यह दोहराव के बिना उचित प्रतिनिधित्व के साथ प्रत्येक लक्ष्य के लिए संकेतकों का एक समान सेट बनाने में मद्द कर सकता है। कुल मिलाकर, यह प्रदर्शन मूल्यांकन भ्रामक नहीं हो सकता है, लेकिन यह हमें कुछ लक्ष्यों में अनुपालन के सापेक्ष महत्व को समझने में मद्द नहीं करता है, जो दूसरे के अनुपालन में मद्द करता है। इस प्रकार, एसडीजी का प्रदर्शन आकलन, उनकी सख्त निर्भरता को नजरअंदाज करते हुए पुरस्कृत नहीं हो सकता है।

सतत् विकास लक्ष्य

परिचय

- जैसा कि हमें पता है कि सहस्राब्दी विकास लक्ष्य (Millennium Development Goals) 2015 में समाप्त हो गए थे, इसलिए इन विकास लक्ष्यों के स्थान पर सतत् विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals) को प्राप्त करने का फैसला संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में लिया गया था।
- इस सम्बन्ध में महासभा की बैठक न्यूयॉर्क में 25 से 27 सितंबर 2015 में आयोजित की गयी थी।
- इसी बैठक में अगले 15 साल के लिए 17 'लक्ष्य तय किये गये थे, जिनको 2016 से 2030 की अवधि में हासिल करने का निर्णय लिया गया था। इस बैठक में 193 देशों ने भाग लिया था।
- इस संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन की थीम "Transforming our world% The 2030 Agenda for Sustainable Development" थी।

मुख्य बिंदु

- सतत् विकास लक्ष्य 17 प्रमुख लक्ष्यों और 169 सहायक लक्ष्यों पर आधारित कार्यक्रमों का समूह है।
- इन लक्ष्यों और सहायक लक्ष्यों को संयुक्त राष्ट्र के सतत् विकास सम्मेलन में सदस्य देशों के द्वारा स्वीकार किया गया है।
- इनकों सभी सदस्य देशों के द्वारा वर्ष 2030 तक प्राप्त कर लिए जाने का लक्ष्य रखा गया है।
- इन लक्ष्यों का उद्देश्य सतत् विकास को सुनिश्चित करना है। पूर्ववर्ती सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों की अपेक्षा इनका स्वरूप अधिक व्यापक है।

ये 17 लक्ष्य इस प्रकार हैं :-

लक्ष्य -1
उद्देश्य - गरीबी की पूर्णत: समाप्ति।
विवरण - दुनिया के हर देश में सभी लोगों की अत्यधिक गरीबी को समाप्त करना। अभी उन लोगों को अत्यधिक गरीब माना जाता है जो कि प्रतिदिन $1.90 से कम में जिंदगी गुजारते हैं।

लक्ष्य -2
उद्देश्य- भुखमरी की समाप्ति।
विवरण - भुखमरी की समाप्ति, खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा।

लक्ष्य -3
उद्देश्य- अच्छा स्वास्थ्य और जीवनस्तर।
विवरण - सभी को स्वस्थ जीवन देना और सभी के जीवनस्तर में सुधार लाना।

लक्ष्य -4
उद्देश्य - गुणवत्तापूर्ण शिक्षा।
विवरण - समावेशी और न्यायसंगत, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना और सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देना।

लक्ष्य -5
उद्देश्य - लैंगिक समानता।
विवरण - लैंगिक समानता प्राप्त करना और सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए प्रयास करना।

लक्ष्य -6
उद्देश्य - साफ पानी और स्वच्छता।
विवरण - सभी के लिए स्वच्छ पानी और स्वच्छता की उपलब्धता और उसका टिकाऊ प्रबंधन सुनिश्चित करना।

लक्ष्य -7
उद्देश्य - सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा।
विवरण - सभी के लिए सस्ती, भरोसेमंद, टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित करना।

लक्ष्य -8
उद्देश्य - अच्छा काम और आर्थिक विकास।
विवरण - निरंतर, समावेशी और टिकाऊ आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के साथ साथ, उत्पादक रोजगार और सभी के लिए सभ्य कार्य को बढ़ावा देना।

लक्ष्य -9
उद्देश्य - उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा का विकास।
विवरण - मजबूत बुनियादी ढांचे बनाना, समावेशी और टिकाऊ औद्योगिकीकरण को प्रोत्साहित करना और नवाचार को बढ़ावा देना।

लक्ष्य -10
उद्देश्य - असमानता में कमी।
विवरण - देशों के भीतर और देशों के बीच असमानता कम करना।

लक्ष्य -11
उद्देश्य - टिकाऊ शहरी और सामुदायिक विकास।
विवरण - शहरों और मानव बस्तियों को समावेशी, सुरक्षित, लचीला और टिकाऊ बनाना।

लक्ष्य -12
उद्देश्य - जिम्मेदारी के साथ उपभोग और उत्पादन।
विवरण - उत्पादन और उपभोग पैटर्न को टिकाऊ बनाना।

लक्ष्य -13
उद्देश्य - जलवायु परिवर्तन
विवरण - जलवायु परिवर्तन और उसके प्रभावों से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करना।

लक्ष्य -14
उद्देश्य - पानी में जीवन।
विवरण - टिकाऊ विकास के लिए महासागरों, समुद्रों और समुद्री संसाधनों का संरक्षण और उनका ठीक से उपयोग सुनिश्चित करना।

लक्ष्य -15
उद्देश्य - भूमि पर जीवन।
विवरण -सतत् उपयोग को बढ़ावा देने वाले स्थलीय पारिस्थितिकीय प्रणालियों, सुरक्षित जंगलों, भूमि क्षरण और जैव विविधता के बढ़ते नुकसान को रोकने का प्रयास करना।

लक्ष्य -16
उद्देश्य - शांति और न्याय के लिए संस्थान।
विवरण - टिकाऊ विकास के लिए शांतिपूर्ण और समावेशी समाजों को बढ़ावा देना और सभी के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना।

लक्ष्य -17
उद्देश्य - लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी।
विवरण - सतत् विकास के लिए वैश्विक भागीदारी को पुनर्जीवित करना और कार्यान्वयन के साधनों को मजबूत बनाना।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. हाल ही में नीति आयोग द्वारा जारी सतत् विकास लक्ष्य इंडिया इंडेक्स की बेसलाइन रिपोर्ट में केवल तमिलनाडु को फ्रंट रनर राज्य घोषित किया गया।
2. सतत् विकास लक्ष्य 17 प्रमुख लक्ष्यों और 169 सहायक लक्ष्यों पर आधारित कार्यक्रम है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

1. Consider the following statements-

1. Only Tamil Nadu was announced as front runner in the Baseline Report of Sustainable Development Goals India Index.
2. Sustainable Development Goals is based on 17 major goals and 169 supportive goals.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1
(b) Only 2
(c) Both 1 and 2
(d) Neither 1 nor 2

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: नीति आयोग के द्वारा जारी सतत् विकास लक्ष्य इंडिया इंडेक्स की बेसलाइन रिपोर्ट में राज्यों की सतत् विकास की दिशा में की गयी प्रगति को दर्शाया गया। क्या आप ऐसा मानते हैं कि यह रिपोर्ट राज्यों की वास्तविक स्थिति को प्रकट करती है? पक्ष-विपक्ष में तर्क दीजिए।

Q. The growth in the direction of sustainable development of states in the Baseline Report of Sustainable Development Goals India Index released by NITI Ayog recently. Do you agree that this report manifests the real situation of states? Present your argument in favour and against. (250 Words)

नोट : 11 फरवरी को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(d) होगा।

Committed To Excellence